



अध्याय 17 आउ डिजाइन करू

स्टेज टेक्निकल्स 1

डिजाइनक क्षेत्रमे,
श्रृङ्गार एकटा कथा बुनैत अछि,
चेहरा पर ब्रश स्ट्रोक,
भावनाक अनावरण करए लेल तैयार अछि ।
वेशभूषा, एकरा लेल एकटा कैनवास
चमकबाक लेल अक्षर,
मञ्च पर, सामंजस्य डिजाइन करैत अछि,
एकटा दृश्य सिम्फनी दिव्य ।



0680CH17

अवधारणा प्रस्तुत कएल गेल

- मेकअप आ वेशभूषा डिजाइन
- चरण
- स्क्रिप्ट लेखन

दृश्य ३: थिएटर प्रोडक्शन

कोनो सफल प्रदर्शनमे, हम कलाकार सभ के प्रदर्शन करैत देखू आ प्रशंसा प्राप्त करू । मुदा अभिनेताक प्रदर्शनक पूरा प्रभाव पड़बाक लेल दर्शक, प्रयास आ काज ई सभ विभाग बहुत महत्वपूर्ण अछि । आब हम मूल बातक अन्वेषण करए जा रहल

छी निम्नलिखित विभागक —

- श्रृङ्गार
- वेशभूषा डिजाइन
- चरण अभिन्यास

अहाँ के चेहरा पहिल चीज अछि जे लोक अहाँ के बारे मे देखैत अछि । तँ एकटा अभिनेताक लेल, मञ्च पर विश्वसनीय देखबाक लेल, सबसँ पहिने जे विचार करय पड़ैत अछि ओ अछि श्रृङ्गार ।

श्रृङ्गार

की अहाँ देखलहुं जे अभिनेताक चेहरा पर रङ्ग रहैत अछि? किछु नीक लगैत अछि, किछु डरावना लगैत अछि आ किछु मजाकिया लगैत अछि । मेकअप इएह कए सकैत अछि ! ई सब ओहि नाटक प्रदर्शनमे ओ सभ द्वारा निभाई जायवला भूमिकाक अनुसार योजनाबद्ध अछि जकर ओ हिस्सा छथि । मञ्च पर प्रस्तुति देबए बला सबके बनावए के जरूरत अछि-मेकअप, लिंग, उम्र, समुदाय आदि के परवाह किए बिना ।

जं अहाँ पूछैत छी, मुदा कियैक ? माँ किएक छथिके- यूपी आवश्यक ? हम अपन रोजमर्रा के जीवन मे मेकअप नहि पहिरैत छी । मञ्चक लेल ई किएक जरूरी अछि ?

अईठाम अहाँक उत्तर अछि-



मेकअप रूम, जकरा ग्रीन रूम सेहो कहल जाइत अछि, उज्ज्वल, नीक जकाँ रौशनी आ हवादार होयबाक चाही।

1. **दृश्यता आओर प्रक्षेपण:** मुदाके- यूपी मुँहक विशेषतासभकेँ बढ़ाबैत अछि, ई सुनिश्चित करैत अछि जे भाव आ भावनाकेँ दूरसँ सेहो दर्शकक समक्ष प्रक्षेपित कएल जाय।
2. **संप्रतीक परिवर्तन:** अभिनेताकेँ पात्रमे बदलबाक लेल श्रृङ्गार एकटा शक्तिशाली उपकरण अछि। ई कलाकारसभकेँ पुरान, युवा देखबाक अथवा भूमिकाक लेल आवश्यक विशिष्ट विशेषतासभकेँ अपनयबाक अनुमति दैत छैक, जाहिसँ प्रदर्शनक समग्र प्रामाणिकता बढ़ैत छैक।
3. **मुँहक भाव आलोकित कए रहल अछि:** श्रृङ्गार आँखि आ मुँह सन प्रमुख विशेषता पर जोर देबामे सहायता करैत अछि, जाहिसँ दर्शककेँ सूक्ष्म सूक्ष्मता देखबामे आबि सकय।
4. **स्टेज लाइटिंगक सङ्ग सामंजस्य:** स्टेज लाइट तीव्र भऽ सकैत अछि आ प्राकृतिक त्वचाक रङ्गकेँ विकृत कऽ सकैत अछि। मेकअप एकटा सन्तुलन बनेबाक लेल लागू कएल जाइत अछि, जाहिसँ अभिनेताकेँ स्टेज लाइटक नीचा धोयल वा बेसी अन्हार देखायबासँ रोकल जाइत अछि।
5. **ऐतिहासिक आ नाट्य शैली:** नाटकक सेटिंग या शैलीक आधार पर शैलीकेँ कैचर करबाक लेल श्रृङ्गार आवश्यक भऽ सकैत अछि। ई अभिनेतासभकेँ निर्देशक द्वारा परिकल्पित विशिष्ट समय अवधि, संस्कृति वा काल्पनिक दुनियामे फिट होयबाक अनुमति दैत छैक।

संक्षेपमे, मञ्च अभिनेतासभक लेल श्रृङ्गार माल 'नीक देखबाक' वा सौंदर्यशास्त्रक विषयमे नहि अछि। ई एकटा व्यावहारिक आ कलात्मक अछि आवश्यकता, किएक तँ ई नाट्य प्रदर्शनक सफलतामे महत्वपूर्ण योगदान दैत अछि। ई अभिनेतासभकेँ दर्शकक सङ्ग प्रभावी रूपसँ संवाद करबामे सक्षम बनबैत अछि, पात्रसभक चित्रणकेँ बढ़ाबैत अछि आ उत्पादनक समग्र दृश्य प्रभावमे योगदान दैत अछि।

नाटक आ भूमिकाक आधार पर अलग-अलग प्रकारक श्रृङ्गार होइत अछि।

- **सीधा श्रृङ्गार:** विशेषताक सरल, मूल हाइलाइट।
- **संप्रतीक श्रृङ्गार:** उम्र, पेशा, व्यक्तित्व आ स्थितिक तत्व देखाओल गेल अछि।
- **विशेष प्रभाव:** घाव, निशान या अतिरिक्त विशेषता जेना हॉर्न जोड़नाइ।
- **काल्पनिक या अमूर्त श्रृङ्गार:** असामान्य रङ्गक सङ्ग अद्वितीय, अपरिचित पात्रक निर्माण।
- **माइम अथवा पैटर्न श्रृङ्गार:** एकटा बोल्ड, स्ट्राइकिंग फेस कवर जे सामान्यतः तटस्थ रहैत अछि।

चेहरा पहिल चीज अछि जे लोक देखैत अछि। अगिला सबसँ महत्वपूर्ण बात, कपड़ा आ सहायक उपकरण अछि। कोनो व्यक्तिक चरित्रकेँ ओ कोन प्रकारक कपड़ा पहिरैत अछि ताहिसँ परिभाषित कएल जाइत अछि। तँ मञ्च पर पात्रक लेल जे बहुत महत्वपूर्ण अछि से अछि-

पहचानू आओर लिखू
श्रृङ्गारक प्रकार
उप्पर देल विवरण पर आधारित

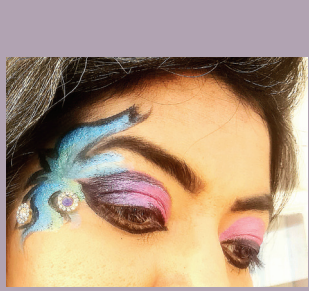
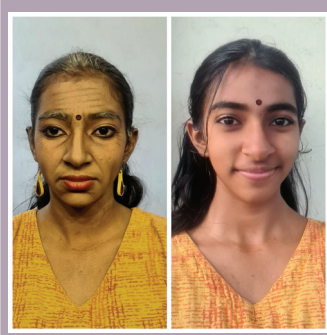
वेशभूषा डिजाइन

हम अलग-अलग अवसर पर अलग-अलग तरहक कपड़ा पहिरैत छी। घरमे अहाँ जे कपड़ा पहिरैत छी ओ स्कूलक वर्दीसँ भिन्न होइत अछि। तहिना गामक पाबनिमे मन्दिरमे अहाँ जे कपड़ा पहिरैत छी

ओ अहाँक रातिक कपड़ासँ भिन्न होइत अछि। दहिना?

तहिना एकटा अभिनेता अलग-अलग पात्रक चित्रण करबाक लेल अलग-अलग कपड़ा पहिरैत छथि। ई दर्शककेँ चरित्रकेँ चिन्हबामे आ ओहिसँ जुड़बामे सहायता करैत अछि।

जखनकि चुनबाक लेल कतेको तरहक कपड़ा आ विकल्प अछि, मुदा चरित्रक लेल की काज करैत अछि से तय करब कोना शुरू कऽ सकैत अछि? आरम्भ करबाक लेल एतय किछु बिन्दु देल गेल अछि - वेशभूषा निम्नलिखित श्रेणीक अनुसार डिजाइन कएल गेल अछि:



- **लिंग:** स्त्री आ पुरुष के लेल कपड़ा अलग-अलग अछि।
- **संप्रतीक क' उम्र:** लोक अलग-अलग उम्रमे अलग-अलग पोशाक पहिरैत छथि।
- **नाटक क' समयरेखा:** फैशन एकटा संस्कृति विकसित होइत अछि आ बदलैत अछि जेना-जेना समय बढ़ैत अछि। (महाराजा शिवाजीक समयमे जीन्स आ पैन्टक अस्तित्व नहि छल।)
- **कथाक भौगोलिक स्थिति:** संस्कृति आ देश मे अंतर। (कर्नाटकक पारम्परिक वस्त्र बंगालसँ भिन्न अछि)।
- **संप्रतीक क' व्यवसाय:** एकटा पुलिस, एकटा वकील आ एकटा डॉक्टर।
- **संप्रतीक क' विशेषता:** पहिरने व्यक्ति जर्जरकपड़ा आ नीक जका पहिरल।

ई सभ तत्व एकर उपयोगसँ डिजाइनमे कोना आनल गेल अछि:

कपड़ा अथवा सामग्री: समय अवधि आओर भौगोलिक स्थिति केँ मिलान करू. (प्राचीन भारतक हिमालयमे एकटा कथाक लेल कृत्रिम शिफॉनक उपयोग संभव नहि अछि किएक तँ प्राचीन भारतमे शिफॉनक अस्तित्व नहि छल आ ई हिमालयक ठंढा मौसमक अनुकूल नहि होयत)।



रङ्ग: ओ अनेक चीजक प्रतिनिधित्व करैत अछि जेना:

- समय अवधि (नियॉन नीला अधिमानत: एकरामे दृश्य क' लेल उपयोग नहि कएल जाइत अछि वैदिक अवधि)।
- अक्षरक प्रत्येक रङ्ग एकटा अर्थक प्रतिनिधित्व करैत अछि। (नकारात्मक संप्रतीकक रङ्ग गहिर अछि.)
- सांस्कृतिक पहलू (लाल रङ्गक उपयोग शोक या अन्तिम संस्कारक दृश्यमे नहि कएल जाइत अछि)।

पैटर्न आओर डिजायन: कपड़ा पर किछु एहन पैटर्न अछि जे राजघरानाक लेल अनन्य अछि, किछु आदिवासी संस्कृतिक प्रतिनिधित्व करैत अछि जखन कि किछु ग्रामीण परिवेशक लेल अनन्य अछि।

स्टाइल: गहना, मुकुट सन सामान, दुपट्टा, बेल्ट, बैग, आंखिक कपड़ा।

नीच्याँ लिखू जे अहाँ पोशाकक आधार पर चरित्रक संबंधमे की बुझैत छी





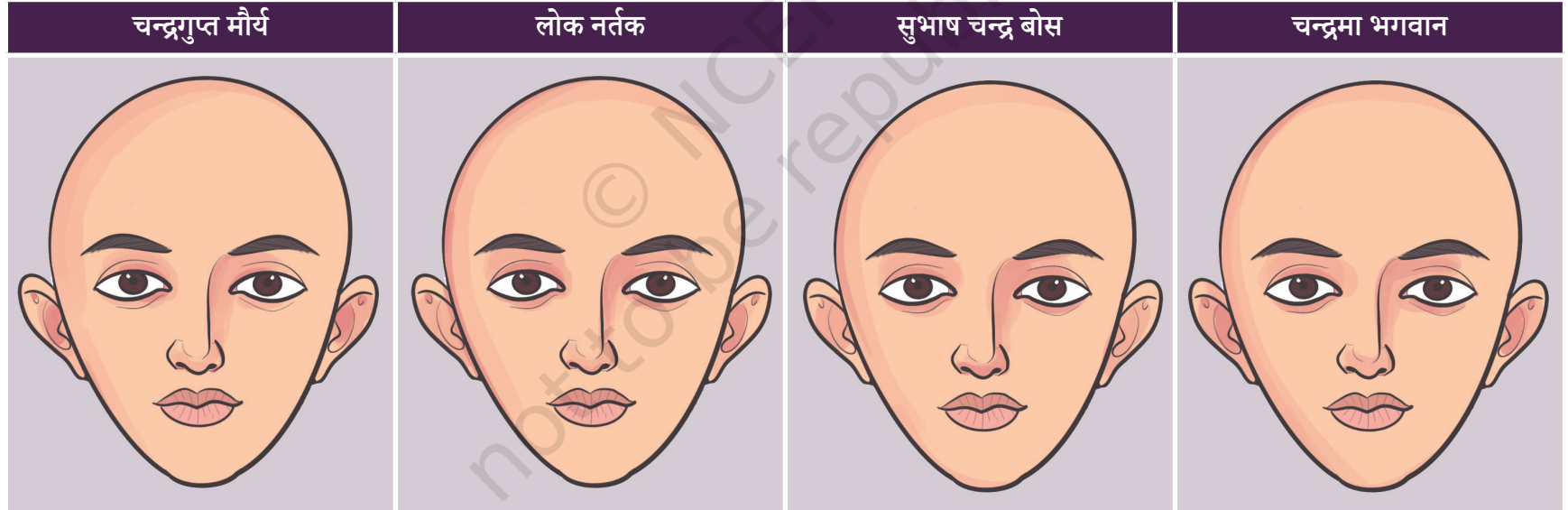
उदाहरण

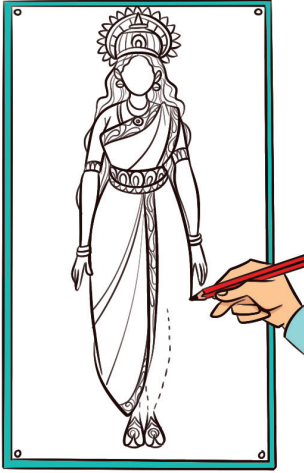
गतिविधि — अहाँ डिजाइन करैत छी!

डिजाइनक पहिल चरण योजना अछि आ ओ रेखाचित्रक माध्यमसँ कएल जाइत अछि।

1. **मेकअप योजना:** केश आ माथक गियर बनाउ एकरा नीच्चाँ चरित्रकें अनबाक लेल आवश्यक श्रृङ्गारक सङ्ग रङ्ग करू। अहाँ अपन नोटबुकमे कऽ सकैत छी आ कतेको बेर प्रयास कऽ सकैत छी।

बेझिझक एकरा रचनात्मक आ रोचक बनाउ। मुकुट, हेड गियरक प्रयोग करू। मूस, केश शैली आदि। सुनिश्चित करू जे अहाँ एकरा एकटा एहन व्यक्तिक चरित्र जकाँ देखबैत छी जे वास्तवमे अस्तित्वमे छल (जेना गाँधीजी, सुभाष चन्द्र बोस आदि)। एकरा यथासंभव सरल मुदा सटीक राखू।





उदाहरण

2. **वेशभूषा डिजाइन:** आब हम सभ वेशभूषा डिजाइन करबाक प्रयास करब, ओही तरहँ!

जाहि पात्रक लेल अहाँ मेकअप डिजाइन कयने छलहुँ, आब वेशभूषा डिजाइन करू!

समयावधि, काजक प्रकृति, रङ्ग आ अन्य विवरणकें ध्यान मे राखू। चित्रमे देखाओल गेल अनुसार अहाँ या तँ कपड़ाक टुकड़ा बना सकैत छी अथवा पेस्ट कऽ सकैत छी।

तखन, वेशभूषा चालू अछि, श्रृङ्गार कएल जाइत अछि, परन्तु, अहाँ एकर मञ्चन कतए करैत छी?



चन्द्रगुप्त मौर्य	लोक नर्तक	सुभाष चन्द्र बोस	चन्द्रमा भगवान

स्टेज ट्रिविया

शब्द 'रङ्गमञ्च' यूनानी प्रदर्शन स्थान 'क' नामसँ उत्पन्न भेल थीट्रॉन'.

उत्तर ओतए प्रश्न मे अछि !

एकटा मञ्च पर !

मञ्च कोनो एहन स्थान अछि जतय अहाँ नाटक प्रस्तुत करैत छी । रङ्गमञ्चक सम्पूर्ण इतिहासमे विभिन्न प्रकारक चरण अछि जकर अवलोकन हम कऽ सकैत छी ।

भारतीय सँ शुरू करैत कतेको स्थल पर नाटकक मञ्चन भेल अछि नाट्यगृहग्रीक थीट्रॉन' (नक्काशीदार पहाड़) सँ ग्लोब थिएटर (महल सन सेटिंगमे), सड़कसभ आ अन्तमे प्रोसेनियम नामक आधुनिक इनडोर सभागार धरि । आजुक कार्यक्रममे प्रोसेनियम सबसँ लोकप्रिय आ सामान्यतः उपयोग कएल जायवला संरचना अछि ।

प्रोसेनियम

प्रोसेनियम चरणक उत्पत्ति सीधा बिजली आ प्रकाश बल्बक वैज्ञानिक खोजसँ जुड़ल अछि ।

पहिने, अधिकांश नाटक या तँ दिनमे होइत छल जखन सूर्यक प्रकाश मञ्चकेँ जगमगाबैत छल वा रातिमे, जखन ओ मञ्च जरयबाक लेल भारी तेलक दीपक पर निर्भर रहैत छल, जेना कि प्राचीन कालमे एकर अभ्यास होइत छल । बादमे, बिजलीक सहायता सं आ प्रकाश बल्ब,

प्रकाश आ तीव्रताक कतेको पहलूकेँ नियन्त्रित कएल जा सकैत अछि ।

एहिसँ घरक भीतर नाट्य प्रदर्शन कएल जा सकैत छल, जतय न तँ जरैत गरम रौद, ठंढा हवा आ ने भारी बरखा कार्यक्रमक मञ्चनसँ रोकि सकैत छल ।

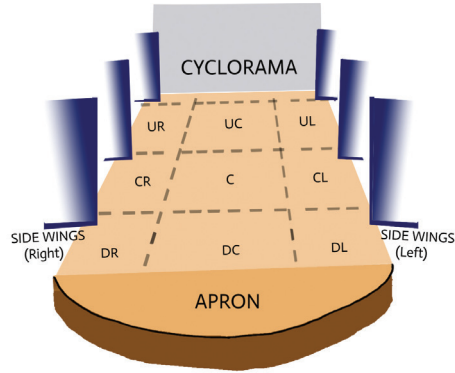
स्टेजक भाग

बाजू पंख: मञ्चक कातकेँ पंखसँ विभाजित कएल जाइत अछि, जे अभिनेतासभकेँ प्रविष्टि लेबामे आ मञ्चसँ बाहर निकलबामे सहायता करैत अछि ।

एप्रन : ई एकटा घुमावदार स्थान अछि जे मञ्च क्षेत्रसँ दर्शक क्षेत्र धरि पसरल अछि । एहि स्थानक उपयोग सामान्यतः पैरक माइक आ पैरक बत्ती रखबाक लेल कएल जाइत अछि ।

प्रोसेनियम : प्रोसेनियम ओ फ्रेम या मेहराब छैक जे प्रोसेनियम थिएटरमे मञ्चकेँ घेरैत छैक ।

साइक्लोरामा: मञ्चक पछिला दीवार पर पसरल एकटा पैघ हल्का नीला या उज्जर कपड़ा प्रकाश उपकरणकेँ प्रतिबिंबित करय आ आकाश, बादल आदि प्रभाव उत्पन्न करय लेल उपयोग कएल जाइत छल ।



रङ्गमञ्च के भाग

C — केंद्र

CR — केंद्र दहिन्ना

CL — केंद्र बम्माँ

उर — दहिन्ना उप्पर

यूसी — उप्पर केंद्र

यूएल — बम्माँ तरफ

DR — नीच्चाँ दहिन्ना

DC — नीच्चाँ केंद्र

DL — नीच्चाँ बमा

गतिविधि

जे किछु सीखल गेल अछि ओकरा एक सङ्ग रखबाक लेल, निम्नलिखित काज करू —

1. अपन पसंदीदा चुनूई कहानी।
2. अपन पसंदीदा पात्र मे सँ दूटा केँ चिन्हू. हुनका लेल वेशभूषा आ श्रृङ्गार डिजाइन करू। (अपन बनाउ। जे स्टोरीबुक अहाँ पढ़ने छी ओहिसँ कॉपी नहि करू)।
3. चित्रमे देल गेल पार्श्व पंखवला मञ्चक कार्डबोर्ड मॉडल बनाउ। (ई समूह मे कएल जा सकैत अछि)।

4. सेट आ गुण (कुर्सी, मेज या गाछ, झोपड़ी आदि) राखि योजना बनाउ जे मञ्च पर कोना एकटा दृश्य बनाओल जा सकैत अछि।

वैकल्पिक रूपसँ, अपन पोथीमे एकर चित्र बनाउ।



दृश्य 4: ठीकसँ लिखू

आलेख कोनो कथाकारक कुच्ची सम होइत अछि, जे
शब्दसँ संसारके चित्रित करैत अछि, ओ अपन
पात्रसभकेँ नचबाक लेल आमन्त्रित करैत अछि, आ
ओ जादू तैयार करैत अछि जे दर्शककेँ मोहित कऽ लैत
अछि ।

नीक पटकथा होयब सफल प्रदर्शनक दिशामे पहिल डेग
अछि । जेना कोनो भवनक नींव मजबूत संरचनाक सबसँ
महत्वपूर्ण पहलू होइत छैक, तहिना सही लिपि सभ
रचनात्मकता आ प्रतिभाकेँ बढ़बाक लेल सही आधार
बनबैत छैक ।

आइए पहिने ओहि शब्द आ शब्दकेँ बुझबाक सङ्ग
आरम्भ करब जे सामान्यतः प्रयोग कएल जाइत अछि -
कथा, नाटक, पटकथा, संवाद । की ओ सभ एक जकाँ
अछि? नइ!

नाटक एकटा कथा थिक जकरा लाइव प्रारूपमे
कहल जाइत अछि । पात्र जीवनमे आबि जाइत अछि आ
परिस्थिति अहाँक सोझाँ आबि जाइत अछि । मुदा जखन
ई स्क्रिप्ट (लिखित रूप)क रूपमे होइत अछि तखन ई
कथा जकाँ नहि होइत अछि?

कथा आ नाटकक पटकथामे की अन्तर अछि?

गतिविधि (कक्षामे)

कहानी निर्माण निर्देश: सभ गोटे वृत्तमे बैसल छथि (यदि
वृत्त संभव नहि अछि तँ ओ अपन स्थान पर सेहो बैसि
सकैत छथि) । शिक्षक पहिल वाक्य सं प्रारंभ करताह ।
अहाँ सभमे सँ प्रत्येक एकटा कहानी बनेबाक लेल एकटा
पंक्ति जोड़ैत छी । ध्यान सं सुनू जे अन्तिम वाक्य की
छल । अहाँ के ओतए सँ जारी रखबाक अछि ।

कथा पूरा करबाक जल्दबाजी नहि करू । कथासभकेँ
रोचक आ जटिल बनयबाक प्रयास करू ।

बेसिक: जाबत धरि सभकेँ अवसर नहि भेटत ताबत धरि
अहाँ सभमे सँ प्रत्येक एकटा पंक्ति कहत । बच्चासभक
अन्तिम समूहकेँ ई सुनिश्चित करबाक आवश्यकता अछि
जे ओ एकर निष्कर्ष निकालैत छथि ।

चर्चा

की ई एकटा रोचक कहानी छल? अहाँ के कतए लगैत
अछि जे इ उबाऊ भए गेल? की अहाँ परिभाषित कए
सकैत छी जे कहानी की होइत अछि? की ई नाटकक
पटकथा जकाँ अछि?

नाटकक पटकथामे अहाँ कोन सभ चीज देखैत छी
जे अहाँक कथाक पुस्तकसँ भिन्न अछि? किछु अद्वितीय
नाम लिअ ।



एकटा कहानी घटना, अनुभव या रोमांच के कथा या विवरण छैक, वास्तविक या काल्पनिक जे संरचित या सुसज्जत रूप मे प्रस्तुत कैल गेल छैक । एहिमे सामान्यतः जुड़ल घटनासभक एकटा श्रृंखला शामिल छैक जे समयक सङ्ग सामने अबैत छैक, जाहिमे प्रायः एहन पात्र होइत छैक जे चुनौतीक सामना करैत छैक, परिवर्तनसँ गुजरैत छैक आ कथाक समग्र विकासमे योगदान दैत छैक ।

एकटा वार्तालाप दू या बेसी लोकक बीच एकटा अन्तरक्रियाशील, मौखिक आदान-प्रदान अछि । ई एकटा सामाजिक आ संवादात्मक प्रक्रिया छैक जतय प्रतिभागी बारी-बारी सँ बाजल आ सुनबामे काज करैत छथि, एकटा एहन संवादमे संलग्न होइत छथि जे आकस्मिक, औपचारिक या संरचित भऽ सकैत छैक ।

एकटा उल्लेखनीय अन्तर ई अछि जे कथा एकटा अनुच्छेदक रूपमे अछि, जखन कि पटकथामे 'गप्प -सप्प' अछि ।

हमरा विश्वास अछि जे अहाँ देखैत छी अथवा सुनैत छी जे लोक सभ दिन गप्प-सप्प करैत छथि । घर पर, सड़क पर, स्कूल मे - सब ठाम । एकटा दोकानदार आ गहिंकीक बीच एकटा साधारण वार्तालाप लिखबाक प्रयास करू । ई अहाँ जे देखलहुं ओहिसँ भऽ सकैत अछि अथवा पूर्णतः काल्पनिक भऽ सकैत अछि ।

गहिंकी: _____

दोकानदार: _____

गहिंकी: _____

दोकानदार: _____

जँ अहाँ वार्तालाप चलैत राखए चाहैत छी तँ अपन नोटबुकक प्रयोग करू ।

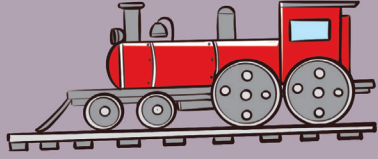
जतेक काल अहाँ चाहैत छी ई भए सकैत अछि ।



बधाइ अहाँ अपन पहिल कथानक लिखलहुँ!!

आब हम अगिला स्तर पर जाएब । जँ अहाँ ध्यानसँ देखैत छी तँ अहाँ जे पटकथा लिखने छी ओ ओहि नाटकसँ भिन्न अछि जे अहाँ देखलहुँ वा जे कथा अहाँ सुनने छी । ई की अछि जे गायब अछि ?

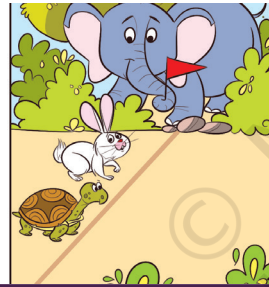
एहि सँ कोनो कथा वा पटकथाक तीन भागक जानकारी भेटैत अछि

प्रारंभ	मध्य	अंत
अक्षर के अछि? कतए आ कखन? संप्रतीक की चाहैत अछि?	हुनका सभ के की समस्या अछि? संप्रतीक की होइत अछि? ओ एहि पर केहन प्रतिक्रिया दैत छथि?	की समस्या हल भए गेल अछि? ई कोना आ के करैत अछि? निष्कर्ष की अछि?
		

विरोध कथाक भीतर पाल वा तत्वक बीच सङ्घर्ष या असहमति अछि जे बाधा उत्पन्न करैत अछि आ कथाकेँ आगू लऽ जाइत अछि।

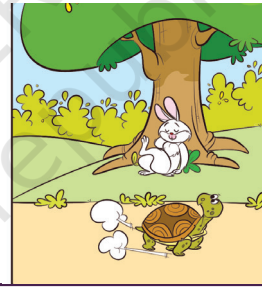
कथा कथनमे सङ्घर्ष एकटा मौलिक तत्व छैक, किएक तँ ई चुनौती, दुविधा या विरोधी शक्तिक परिचय दैत छैक जकर समाधान पालकेँ अवश्य करबाक चाही।

ई तनाव रुचि निर्माण, दर्शककेँ सम्मिलित करबाक आ स्क्रिप्टमे चरित्र विकासक रूपरेखा प्रदान करबाक लेल आवश्यक अछि।



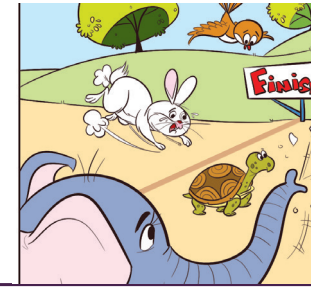
खरगोश आओर कछुआ प्रारंभ

दौड़ मे



मध्य

खरगोश आराम करैत अछि, कछुआ पछाड़ि जाइत अछि



अंत

कछुआ दौड़ जीतैत अछि, खरगोश निराश अछि।

जँ अहाँ 'मध्य' पर ध्यान दैत छी तखन हम एकटा 'समस्या'क बात करैत छी। ई कोनो कथा वा पटकथाक सबसँ महत्वपूर्ण भाग होइत अछि। एकरा कहल जाइत अछि—'सङ्घर्ष'।

एहि लोकप्रिय कथामे सङ्घर्षक उपयोग कोना कएल जाइत अछि एकर एकटा उदाहरण एतय देल गेल अछि जे हम सभ जनैत छी - 'खरगोश आ कछुआ'।

उदाहरण 1 — बिनु विरोधक वार्तालाप

ग्राहक: नमस्ते! हमरा बहिनक जन्मदिनक लेल एकटा चॉकलेट चाही।

दोकानदार: बेस. अहाँ कोन तरहक चॉकलेट चाहैत छी?

ग्राहक: हमर बहिन के वेनिला स्वादयुक्त चॉकलेट पसन्द अछि।

दोकानदार: हमरा लग तीन किस्म अछि। सादा वेनिला, मेवाक सङ्ग वेनिला, आ वेफर्स जाहिमे वेनिला आ चॉकलेट अछि।

ग्राहक: हम मेवाक सङ्ग वेनिला लेब।

दोकानदार: की अहाँ उपहार लपेटबाक लेल चाहैत छी?

ग्राहक: जी कृपया।

दोकानदार: अईठाम जाउ, उपहार कागज मे लिपटल चॉकलेट! इ अहाँ के खर्च करत। ` 50.

ग्राहक: अईठाम पाइ अछि। धन्यवाद!



आउ देखैत छी जे सङ्घर्ष कोना फर्क पड़त।

उदाहरण 2 — विरोधक सङ्ग वार्तालाप

ग्राहक: नमस्ते! हमरा बहिनक जन्मदिनक लेल एकटा चॉकलेट चाही।

दोकानदार: बेस. कोन तरहक चॉकलेट?

ग्राहक: हमर बहिन के वेनिला चॉकलेट पसन्द अछि।

दोकानदार: माफ करू, हमरा लग तीन अछि किस्म। सादा, स्ट्रॉबेरी आ कारमेल।

ग्राहक: ओह, मुदा हमर बहिन के वेनिला पसन्द अछि। ईठीक अछि। हमरा कारमेल दियौ आ कृपया एकरा गिफ्ट पेपरमे लपेटि दियौ।

दोकानदार: ओह, हमरा लग उपहार कागज खतम भए गेल अछि। की हम

एकरा नियमित भूरा कागज मे लपेटि सकैत छी?

ग्राहक: ई उचित नहि अछि। पहिने अहाँ लग ओ चॉकलेट नहि छल जे हम चाहैत छलहुँ, आब अहाँ लग उपहार लपेटल नहि अछि! हम दोसर दोकान पर जाएब। हमरा अईठाम सं किछु नहि चाही।

दोकानदार: हे... प्रतीक्षा करू... हम एकर व्यवस्था करबाक कोशिश करब (फोन उठबैत अछि आ ककरो सं गप्प करैत अछि)। चिन्ता जूनि करू. अहाँ के वेनिला चॉकलेट आ गिफ्ट रैप भेट रहल अछि। हम इ अहाँ के लेल अपन भंडारण सं लए रहल छी। परेशानी के लेल माफ करू।

ग्राहक: कोनो दीक नइ. धन्यवाद!



की दोसर उदाहरणमे सङ्घर्ष किछु भावना आ नाटककें प्रज्वलित कएलक अन्यथा उबाऊ बातचीतमे जे अहाँ पहिल उदाहरणमे देखलहुँ? एहि तरहँ अहाँ अपन पूरा कथानक कें रोचक बना सकैत छी।

आब पाछू जाउ आ देखू जे अहाँ जे दोकानदारक गप्प-सप्प लिखने छी ओहिमे अहाँक कोनो विवाद अछि कि नहि। की अहाँ के खिस्सा निर्माण खेल मे सेहो सङ्घर्ष भेल? चलू एकरा फेर सँ बजाउ।

गतिविधि (कक्षामे — चलैत)

चलू ओही कथा निर्माण खेलक सस्तर-2 खेलैत छी।
निर्देश: सभ गोटे वृत्तमे बैसल छथि (जों वृत्त संभव नहि अछि तँ अपन-अपन स्थान पर बैसि सकैत छथि)। शिक्षक पहिल वाक्य सं प्रारंभ करताह। अहाँ सभमे सँ प्रत्येक एकटा खिस्सा बनेबाक लेल एकटा पंक्ति जोड़ैत छी। ध्यान सं सुनू जे अन्तिम वाक्य की छल। अहाँ के ओतए सँ चलैत रखबाक अछि।

कथा पूरा करबाक जल्दबाजी नहि करू। कथासभकें रोचक आ जटिल बनयबाक प्रयास करू।

उन्नत: बेतरतीब वाक्यांश लिखल १०-१५ चिट बनाउ, जेना, 'नायक बिसरि जाइत अछि' वा 'ई चरित्र बहुत भूखल अछि' वा 'अचानक बत्ती चलि गेल'। एकर उद्देश्य कथा में रोमाञ्चक मोड़ ('द्विस्ट-इन-द-टेल') अथवा बेसी पेशेवर भाषामे आनब छैक, जे आब अहाँ जनैत छी - ई 'सङ्घर्ष' छैक।

जेना अहाँ पहिने कयने छलहुँ, कथामे एकटा वाक्यक योगदान दियौक। प्रत्येक दस पाँतिक बाद अहाँ चिट निकालैत छी, कथामे एकटा मोड़ आबि जाइत अछि आ अहाँकें कथामे शामिल करय पड़ैत अछि। प्रारंभ-मध्य पर ध्यान दिअ'

एहि खेल के जतेक बेर चाहब खेलू। बच्चा सभक क्रम बदलू। कथाक प्रवाह, द्वंद्व आ ओकर समाधानसँ परिचित होयबामे अहाँ (हुनका सभकें) सहायक होयत। मूल बात के एतेक समझ के सङ्ग आब अहाँ किछ गंभीर पटकथा लेखन पर उतरि सकय छी।

अपन नाटक लिखबाक सरल कदम प्रस्तुत अछि !
पहिने अपन पोथी मे तीनू भागक बारे मे नोट करू —

अपन नाटक लिखबाक लेल एतय सरल चरण अछि !
पहिने

अपन किताब मे तीन भाग के बारे मे नोट बनाउ —

एकरासँ प्रारंभ करू प्रारंभ	तखन अहाँ मध्यक बारे मे सोचि सकैत छी	अंतमे, अन्त
पात्र के अछि (ओकर नाम, उम्र, काज, आदि)? ई कतए आ कखन भए रहल अछि?	सङ्घर्ष की अछि? एकरा केना शुरू कएल जाइत अछि? संप्रतीक की करैत अछि?	सङ्घर्ष केना हल भेल? संप्रतीक की होइत अछि? निष्कर्ष.
एकरा अपन पोथीमे राखि अहाँ वार्तालाप लिखब शुरू कऽ सकैत छी।		

हमर समयक लोकप्रिय लेखक (इंग्लैंड)	
कथा अथवा उपन्यास (लेखक)	नाटक (नाटककार)
सुधा मूर्ति आर के नारायण रस्किन बॉन्ड	रवीन्द्रनाथ ताग्रे शेल सिल्वरस्टीन तारो यशिमा
आन पढ़ि रहल अछिरचना प्रेरणादायक अछि आ अहाँक काजक लेल विचार दऽ सकैत अछि।	

मूवी अथवा स्टोरीबुक क' नाम	कथाक भाग
_____	प्रारंभ _____
_____	मध्य (विरोध) _____
_____	अंत _____



लिखि दियौ! सुखद लेखन!

